सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-367
25/08/2017

बिहार विधान मण्डल के कई सदस्यों एवं समाजसेवियों ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दिया अंशदान

पटना, 25 अगस्त 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार से मिलकर बिहार विधान मण्डल के कई सदस्यों एवं समाजसेवियों ने मुख्यमंत्री राहत कोष में अंशदान का चेक सौंपा। इस क्रम में विधान परिषद के उप सभापति श्री हारून रसीद ने एक लाख रूपये, विधान पार्षद श्री केदारनाथ पाण्डेय ने पचास हजार रूपये, विधान पार्षद श्री सोनेलाल मेहता ने एक लाख ग्यारह हजार रूपये, विधान पार्षद श्री संजय कुमार सिंह ने एक लाख रूपये, विधान पार्षद श्री हीरा प्रसाद बिन्द ने 51 हजार रूपये, विधान पार्षद श्री राम लषण रमण ने एक लाख रूपये, विधान पार्षद श्री वीरेन्द्र नारायण यादव ने एक लाख रूपये, विधान पार्षद श्री नीरज कुमार ने 51 हजार रूपये, विधान पार्षद श्री संजीव कुमार सिंह ने 51 हजार रूपये, विधान पार्षद श्री रणवीर नंदन ने एक लाख रूपये, विधान पार्षद श्री जावेद इकबाल अंसारी ने 30 हजार रूपये, विधान पार्षद श्री उपेन्द्र प्रसाद ने 30 हजार रूपये, पूर्व विधान पार्षद श्री असलम आजाद ने 35 हजार रूपये, विधान पार्षद श्री राजकिशोर सिंह कुशवाहा ने एक लाख रूपये, विधान पार्षद श्री सतीश कुमार ने एक लाख रूपये, विधायक रवि ज्योति ने 30 हजार रूपये, विधायक श्री रणधीर कुमार सोनी ने पचास हजार रूपये, विधायक श्री बिनोद प्रसाद यादव ने 51 हजार रूपये, विधान पार्षद चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा ने एक लाख रूपये, विधान पार्षद श्री अशोक कुमार सिंह ने एक लाख रूपये, विधायक श्रीमती रंजू गीता ने 81 हजार रूपये, विधायक श्री वशिष्ठ सिंह ने 51 हजार रूपये, विधायक श्री सत्यदेव सिंह ने 50 हजार रूपये, मंत्री श्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा ने एक लाख रूपये का चेक सौंपा। इनके साथ–साथ गया के जदयू नेता श्री राजकुमार प्रसाद उर्फ राजू वर्णवाल, समर्पण भवन, कन्या पाठशाला रोड गया ने मुख्यमंत्री राहत कोष के लिये मुख्यमंत्री को पॉच लाख रूपये का चेक सौंपा। साथ ही जन टीवी की ओर से श्री सुरेन्द्र कुमार सुराना द्वारा एक लाख रूपये का चेक मुख्यमंत्री राहत कोष में सौंपा गया।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री राहत कोष में अंशदान करने के लिये सभी को धन्यवाद दिया तथा उनकी इस सामाजिक पहल की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपदा के समय हम सबको अपनी संवेदनशीलता को प्रदर्शित करना चाहिये और पीड़ितों की सेवा में बढ़–चढ़कर हाथ बंटाना चाहिये।

******